HPBOSE dual-exam system pushes Class X pass percentage to 89.54%

4,930 students clear second exam in July; new system allows students to improve results without losing academic year

TRIBUNE NEWS SERVICE

DHARAMSALA, AUGUST 26

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has recorded a combined Class X pass percentage of 89.54 per cent under its new dual-board examination system, with 4,930 students clearing the second examination conducted in July this year.

Announcing the July 2026 Class X second examination results on Wednesday, HPBOSE Chairman Dr Rajesh Sharma said the system introduced this year had given students an opportunity to improve their performance without losing an academic year.

The main and second examinations together recorded 91,060 candidates, of whom 81,110 were declared successful, taking the combined pass percentage to 89.54 per cent.

The second examination was conducted in July for students seeking to improve their results, those placed in the compartment category, candidates improving marks in optional subjects and those appearing for additional subjects. Of the 8,181 candidates who appeared, 4,930 passed, recording a pass percentage of 60.27 per cent.

As many as 1,774 students have been placed in the compartment category, while 1,316 have been declared Essential Repeat.

Dr Sharma said the primary objective of the dual-examination system was to provide students with a stress-free opportunity to improve their academic performance without having to wait for another academic year. He congratulated the successful candidates and urged those who could not clear the examination to identify their shortcomings and prepare better for the next opportunity.

The board has also digitised the result process to make examination-related services more transparent and accessible. Students can check their results online through the HPBOSE website, while digital copies of certificates have been made available through DigiLocker to facilitate admissions and other academic requirements.

Students dissatisfied with the evaluation of their answer sheets can apply online for re-evaluation or re-checking through their respective schools by September 9, 2026. The fee for re-evaluation has been fixed at Rs 1,000 per subject, while re-checking will cost Rs 800 per subject. The board clarified that applications will be accepted only online through the schools concerned. Applications submitted without the prescribed fee or directly through offline mode will not be entertained.

Himachal Pradesh Board of School Education Chairman Dr Rajesh Sharma

A SECOND CHANCE

- For thousands of Himachal's Class X students, a second examination has brought not just another result, but another chance
- Under the HPBOSE's new dual-board system, 4,930 students cleared the July examination, allowing them to improve their scores without losing an academic year
- Together, the main and second examinations saw 91,060 candidates, with 81,110 succeeding to take the combined pass percentage to 89.54 per cent
- The July test also offered a lifeline to compartment and additional-subject candidates, though 1,774 students remain in the compartment category and 1,316 have been declared Essential Repeat
- The board has further made the process more accessible by putting results and digital certificates online through its website and DigiLocker

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

मैट्रिक डुअल परीक्षा से बचा हजारों छात्रों का साल

मुख्य-द्वितीय परीक्षा का संयुक्त परिणाम 89.54 फीसदी पहुंचा; जुलाई की दूसरी परीक्षा में 4,930 विद्यार्थी पास

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 26 अगस्त : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की मैट्रिक डुअल परीक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों के लिए बड़ी राहत साबित हुई है। मार्च 2026 से लागू इस व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा में अपेक्षित परिणाम न आने पर पूरा एक साल गंवाने की जरूरत नहीं रही।

जुलाई में आयोजित द्वितीय परीक्षा के परिणाम के बाद मुख्य और द्वितीय परीक्षा का संयुक्त उत्तीर्ण प्रतिशत 89.54 प्रतिशत पहुंच गया है। मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा को मिलाकर कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। जुलाई 2026 में आवश्यक सुधार, कम्पार्टमेंट, वैकल्पिक सुधार और अतिरिक्त विषयों के लिए आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा में 8,181 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें से 4,930 विद्यार्थी पास हुए। डॉ. शर्मा ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

असफल विद्यार्थियों से निराश न होने और अपनी कमियों को पहचानकर आगामी अवसर के लिए बेहतर तैयारी करने का आह्वान किया।

मैट्रिक डुअल परीक्षा व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक और अवसर देकर उनका कीमती साल बचाना है। हमारा प्रयास है कि किसी विद्यार्थी को एक परीक्षा में असफलता के कारण पूरा साल न गंवाना पड़े। बोर्ड परिणाम प्रक्रिया को भी पारदर्शी और डिजिटल बना रहा है। प्रमाण-पत्र डिजी लॉकर पर उपलब्ध करवाए गए हैं। जो विद्यार्थी अपने परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं, उन्हें 9 सितंबर तक पुनर्मूल्यांकन और पुन: जाँच का अवसर दिया गया है। हमारा लक्ष्य हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड को पूरी तरह छात्र-केंद्रित, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाना है।

– डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड

9 सितंबर तक आवेदन : परिणाम से असंतुष्ट विद्यार्थी 9 सितंबर 2026 तक पुनर्मूल्यांकन या पुनः जांच के लिए आवेदन कर सकते हैं। पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 प्रति विषय और पुनः जांच शुल्क 800 प्रति विषय है। आवेदन केवल संबंधित विद्यालय के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे।

पाठक एवं एजेंट नोट करें
दैनिक सवेरा टाइम्स, द सवेरा टाइम्स में विज्ञापन एवं सर्कुलेशन संबंधी पूछताछ एवं किसी समस्या के बारे निम्नलिखित नम्बर पर सम्पर्क करें :
0181-2370100 Ext:- 102
98885-03754
ई-मेल: circulation@dainiksaveratimes.net

पंजाब केसरी
THU,27 AUGUST 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 4

हिमाचल बोर्ड मैट्रिक का संयुक्त परिणाम 89.54 प्रतिशत, 81,000 से अधिक परीक्षार्थी पास

धर्मशाला, 26 अगस्त (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने जुलाई 2026 में आयोजित मैट्रिक की द्वितीय परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं, जिससे हजारों विद्यार्थियों का कीमती शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने से बच गया है। मार्च 2026 से लागू की गई 'मैट्रिक दोहरी बोर्ड परीक्षा प्रणाली के तहत मुख्य और द्वितीय परीक्षा का कुल संयुक्त पास प्रतिशत 89.54 प्रतिशत दर्ज किया गया है। दोनों परीक्षाओं में शामिल कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 छात्र उत्तीर्ण घोषित हुए हैं।

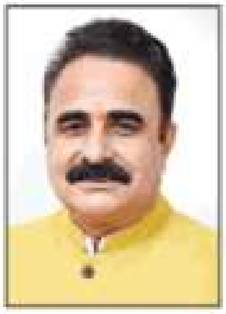

दूसरी परीक्षा का ब्यौरा सांझा करते हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि जुलाई की परीक्षा में बैठे 8,181 अभ्यर्थियों में से 4,930 विद्यार्थी पास हुए हैं, जिसका कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 60.27 प्रतिशत रहा। वहीं 1,774 छात्र कम्पार्टमैंट और 1,316 विद्यार्थी एसैंशियल रिपीट की श्रेणी में आए हैं।

डॉ. शर्मा ने बताया कि बोर्ड ने प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाते हुए परिणाम आधिकारिक वैबसाइट के साथ डिजिलॉकर पर भी उपलब्ध करवा दिए हैं, ताकि अगली कक्षा में दाखिले के समय छात्रों को परेशानी न आए। उन्होंने आगे जानकारी दी कि जो अभ्यर्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की पुन: जांच या पुनर्मूल्यांकन करवाना चाहते हैं, वे 9 सितम्बर तक केवल अपने संबंधित विद्यालय के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ए.एन.एम. और जी.एन.एम. अनुपूरक परीक्षाओं के परिणाम घोषित

शिमला, 26 अगस्त (स.ह.): हिमाचल प्रदेश नर्सिज रजिस्ट्रेशन काउंसिल शिमला ने ए.एन.एम. द्वितीय वर्ष और जी.एन.एम. प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की अनुपूरक परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष जी.एन.एम. तृतीय वर्ष का परिणाम सबसे शानदार रहा है। ए.एन.एम. द्वितीय वर्ष की परीक्षा में एक छात्रा बैठी थी, जिसने यह परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। जी.एन.एम. प्रथम वर्ष की परीक्षा में 298 छात्राएं बैठी थीं, जिनमें से 251 छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। परीक्षा का कुल परिणाम 84.2 फीसदी रहा। जी.एन.एम. द्वितीय वर्ष की परीक्षा में 181 छात्राएं शामिल हुईं, जिनमें से 162 छात्राओं ने परीक्षा पास की है। इस वर्ष का कुल परिणाम 89.5 प्रतिशत रहा। जी.एन.एम. तृतीय वर्ष में 104 छात्राओं में से 96 छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसका कुल परिणाम सबसे अधिक 92.3 फीसदी दर्ज किया गया है।

काउंसिल की रजिस्ट्रार डा. पुष्पा पंवर ने बताया कि जो छात्राएं इस अनुपूरक परीक्षा में किसी कारणवश पास नहीं हो सकी हैं, उनकी दोबारा परीक्षाएं इसी वर्ष नवम्बर माह में आयोजित की जाएंगी।

Anant Gyan Dt. 27-08-2026

मैट्रिक ड्यूल बोर्ड परीक्षा व्यवस्था से 10वीं का संयुक्त परिणाम 89 .54 प्रतिशत पहुंचा : डॉ . राजेश

◆ 60.27 प्रतिशत रहा मैट्रिक द्वितीय परीक्षा का परिणाम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की छात्रहित में शुरू की गई मैट्रिक ड्यूल बोर्ड परीक्षा व्यवस्था बेहद सफल साबित हुई है। जुलाई 2026 में आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा का परिणाम घोषित करते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि इस नई व्यवस्था के कारण हजारों विद्यार्थियों का कीमती साल बर्बाद होने से बचा है। उनके मार्गदर्शन में मार्च 2026 से लागू की गई इस प्रणाली के फलस्वरूप मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा का संयुक्त उत्तीर्ण प्रतिशत अब 89.54 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो बोर्ड के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बोर्ड अध्यक्ष

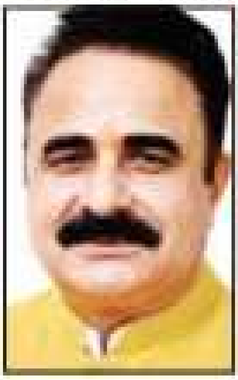

डॉ. राजेश शर्मा ने परिणाम जारी करते हुए कहा कि इस व्यवस्था को लागू करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना तथा उन्हें बिना एक वर्ष गंवाए अपने परिणाम में सुधार का अवसर देना है। उन्होंने संयुक्त परिणाम के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा को मिलाकर कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

4,930 विद्यार्थियों को मिली सफलता

डॉ. शर्मा ने बताया कि जुलाई 2026 में आवश्यक सुधार, कम्पार्टमेंट, वैकल्पिक सुधार एवं अतिरिक्त विषयों के लिए आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा में कुल 8,181 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 4,930 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिससे इस परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 60.27 प्रतिशत रहा। इसके अलावा 1,774 विद्यार्थी कम्पार्टमेंट तथा 1,316 विद्यार्थी आवश्यक पुनरावृत्ति की श्रेणी में रहे।

पुनर्मूल्यांकन एवं पुन : जांच के लिए 9 सितंबर तक आवेदन

बोर्ड अध्यक्ष ने जानकारी दी कि जो परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं हैं, वे पुनर्मूल्यांकन अथवा पुनः जांच के लिए 9 सितंबर, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए प्रति विषय पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 रुपए तथा पुनः जांच शुल्क 800 रुपए निर्धारित किया गया है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि आवेदन केवल संबंधित विद्यालय के माध्यम से ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। बिना शुल्क के भेजे गए अथवा सीधे ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Aapka Faisla Dt.27-08-2026

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा का विजन हुआ साकार, हिमाचल में मैट्रिक Dual बोर्ड परीक्षा व्यवस्था से 10वीं का संयुक्त परिणाम 89.54 प्रतिशत पहुंचा

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की छात्रहित में शुरू की गई मैट्रिक Dual बोर्ड परीक्षा व्यवस्था बेहद सफल साबित हुई है। जुलाई 2026 में आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा का परिणाम घोषित करते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि इस नई व्यवस्था के कारण हजारों विद्यार्थियों का कीमती साल बर्बाद होने से बचा है। उनके मार्गदर्शन में मार्च 2026 से लागू की गई इस प्रणाली के फलस्वरूप मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा का संयुक्त उत्तीर्ण प्रतिशत अब 89.54 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो बोर्ड के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने परिणाम जारी करते हुए कहा कि इस व्यवस्था को लागू करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना तथा उन्हें बिना एक वर्ष गंवाए अपने परिणाम में सुधार का अवसर देना है। उन्होंने संयुक्त परिणाम के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा को मिलाकर कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। डॉ. शर्मा ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने असफल रहे विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे निराश न हों, बल्कि अपनी कमियों को पहचानकर आगामी अवसरों के लिए बेहतर तैयारी करें। डॉ. शर्मा ने बताया कि जुलाई 2026 में आवश्यक सुधार, कम्पार्टमेंट, वैकल्पिक सुधार एवं अतिरिक्त विषयों के लिए आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा में कुल 8,181 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 4,930 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिससे इस परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 60.27 प्रतिशत रहा। इसके अलावा 1,774 विद्यार्थी कम्पार्टमेंट तथा 1,316 विद्यार्थी Essential Repeat (आवश्यक पुनरावृत्ति) की श्रेणी में रहे। शिक्षा बोर्ड को अधिक पारदर्शी, सुगम एवं छात्र-केंद्रित बनाने के डॉ. शर्मा के प्रयासों के तहत परीक्षा परिणाम की प्रक्रिया को डिजिटल किया गया है। परीक्षार्थी अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन देख सकते हैं। आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देते हुए डॉ. शर्मा के निर्देशानुसार प्रमाण-पत्रों की प्रतियां डिजीलॉकर (DigiLocker) पर भी उपलब्ध करवाई गई हैं, ताकि विद्यार्थियों को आगे के दाखिले एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। किसी भी प्रकार की शंका या जानकारी के लिए विद्यार्थी बोर्ड के कार्यालयी फोन नंबरों पर भी संपर्क कर सकते हैं। पुनर्मूल्यांकन एवं पुन: जाँच के लिए 9 सितंबर तक आवेद, बोर्ड अध्यक्ष ने जानकारी दी कि जो परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं हैं, वे पुनर्मूल्यांकन अथवा पुन: जाँच के लिए 9 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए प्रति विषय पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 तथा पुन: जाँच शुल्क 800 निर्धारित किया गया है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि आवेदन केवल संबंधित विद्यालय के माध्यम से ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। बिना शुल्क के भेजे गए अथवा सीधे ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Amar Ujala Dt. 27-08-2026

डीएलएड के लिए काउंसलिंग में पहुंचे 165 अभ्यर्थी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से संचालित दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलिमेंटरी एजुकेशन (डीएलएड) सीईटी-2026 सत्र 2026-28 के लिए सरकारी और निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में सीटें भरने की काउंसलिंग प्रक्रिया जारी है।

बुधवार को पांचवें दिन हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 375 अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए शार्टलिस्ट किया था, जिनमें से 165 ने काउंसलिंग में हिस्सा लिया। इससे पहले चार दिन भी काउंसलिंग हुई थी। संवाद

दोहरी परीक्षा व्यवस्था से 89.54% रहा 10वीं कक्षा का संयुक्त परिणाम

छात्रों को मिला बिना साल गंवाए अंक सुधार व कंपार्टमेंट क्लीयर करने का मौका

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से शुरू की गई मैट्रिक की दोहरी परीक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों के लिए मददगार साबित हुई है। इसके तहत विद्यार्थियों को बिना साल गंवाए अंक सुधार और कंपार्टमेंट क्लीयर करने का मौका मिला। जुलाई में हुई दूसरी परीक्षा के परिणाम आने के बाद अब मुख्य और दूसरी परीक्षा का संयुक्त उत्तीर्ण प्रतिशत 89.54 फीसदी पहुंच गया है।

बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बुधवार को दूसरी परीक्षा परिणाम जारी करते हुए बताया कि मुख्य और दूसरी परीक्षा को मिलाकर कुल 91,060 परीक्षार्थी बैठे थे। इनमें से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

जुलाई 2026 की दूसरी परीक्षा में 8,181 विद्यार्थी बैठे थे। इनमें 4,930 उत्तीर्ण हुए हैं। 1,774 की कंपार्टमेंट आई है। 1,316 की आवश्यक पुनरावृत्ति रही। इस तरह 60.27% विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। परिणाम हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर देख सकते हैं। संवाद

पुनर्मूल्यांकन के लिए नौ सितंबर तक करें आवेदन : उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से असंतुष्ट विद्यार्थी 9 सितंबर तक पुनर्मूल्यांकन या पुनर्गणना के लिए आऊनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 प्रति विषय और पुनर्गणना शुल्क 800 प्रति विषय निर्धारित है।

Divya Himachal Dt. 27-08-2026

द्वितीय परीक्षा का रिजल्ट 60.27 प्रतिशत

हिमाचल में दो बोर्ड परीक्षा व्यवस्था से 10वीं का संयुक्त परिणाम 89.54 पहुंचा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा का छात्रों के हित में उठाया गया दो बोर्ड परीक्षा का ऐतिहासिक कदम बेहद सफल साबित हुआ है। डा. शर्मा ने जुलाई 2026 में आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा के परिणाम घोषित करते हुए बताया कि इस नई व्यवस्था के कारण हजारों छात्रों का कीमती साल बर्बाद होने से बचा है। उनके मार्गदर्शन में मार्च 2026 से लागू की गई इस प्रणाली से द्वितीय परीक्षा का परिणाम 60.27 रहा जिससे संयुक्त परिणाम अब 89.54 फीसदी के शानदार आंकड़े पर पहुंच गया है, जो बोर्ड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने परिणाम जारी करते हुए स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था को लागू करने का मुख्य उद्देश्य ही छात्रों को तनावमुक्त करना और बिना साल बर्बाद किए अपना परिणाम सुधारने का अवसर देना था। उन्होंने संयुक्त परिणाम के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि दोनों परीक्षाओं को मिलाकर कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। डा. शर्मा ने इस शानदार परिणाम पर सभी सफल छात्रों को बधाई दी। साथ ही, उन्होंने असफल रहे छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे निराश न हों, बल्कि अपनी कमियों को पहचानकर आगामी अवसरों के लिए खुद को बेहतर ढंग से तैयार करें।

पुनर्मूल्यांकन के लिए नौ सितंबर तक का समय

बोर्ड अध्यक्ष ने जानकारी दी कि जो परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं हैं, उन्हें भी बोर्ड ने पारदर्शी व्यवस्था के तहत राहत दी है। ऐसे छात्र पुनर्मूल्यांकन या पुनः जांच के लिए नौ सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए प्रति विषय पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 और पुनः जांच शुल्क 800 निर्धारित किया गया है।

8181 छात्रों ने दी थी परीक्षा

डा. शर्मा ने बताया कि जुलाई में आवश्यक सुधार, कंपार्टमेंट, वैकल्पिक सुधार और अतिरिक्त विषयों के लिए आयोजित की गई इस दूसरी परीक्षा में कुल 8181 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया था। इनमें से 4,930 छात्रों ने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाते हुए सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिससे इस परीक्षा का पास प्रतिशत 60.27 फीसदी दर्ज किया गया। 1,774 छात्र कंपार्टमेंट और 1,316 छात्र आवश्यक पुनरावृत्ति की श्रेणी में रहे हैं।

मैट्रिक ड्यूल बोर्ड परीक्षा का परिणाम 89.54 प्रतिशत

जागरण संवाद केंद्र, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा की ओर से आरंभ की गई मैट्रिक ड्यूल बोर्ड परीक्षा व्यवस्था सफल रही है। जुलाई 2026 में आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा का परिणाम घोषित करते हुए डा. शर्मा ने बताया कि इस व्यवस्था के कारण हजारों विद्यार्थियों का कीमती साल बर्बाद होने से बचा है। मार्च 2026 से लागू इस प्रणाली के फलस्वरूप मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा का संयुक्त उत्तीर्ण प्रतिशत 89.54 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

डा. शर्मा ने कहा कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना और उन्हें बिना एक वर्ष गंवाए परिणाम में सुधार का अवसर देना है।

उन्होंने बताया कि मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा में कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और असफल विद्यार्थियों को हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे निराश न हों। जुलाई में आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा में 8,181 परीक्षार्थियों में से 4,930 ने सफलता प्राप्त की, जिससे उत्तीर्ण प्रतिशत 60.27 रहा।

शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि परीक्षार्थी परिणाम बोर्ड की वेबसाइट पर देख सकते हैं। पुनर्मूल्यांकन एवं पुन जांच के लिए 9 सितंबर तक आवेदन किए जा सकते हैं। प्रति विषय पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 तथा पुन जांच शुल्क 800 रुपये निर्धारित किया है।

Before the Court of AC 2nd Grade-Cum-Executive Magistrate Shahpur Distt. Kangra (H.P.)

Mahinder Singh S/o Sh. Rikhi Ram R/o Mohal Bajluer Mauza Nerti, Tehsil Shahpur Distt Kangra (H.P.)

......Applicant

V/S

General Public & others

..Respondents.

Notice for correction of name in Revenue Record of Mohal Bajluer & Mohal Har.

Whereas, Sh. Mahinder Singh S/o Sh. Rikhi Ram R/o Mohal Bajluer Mauza Nerti & Tehsil Shahpur, District Kangra H.P has filed an application in the court of undersigned in which he has stated that his father name was wrongly written as Rikho in revenue record of Mohal Bajuer and as Rikhu in revenue record of Mohal Har, while actual name of applicant's father is Rikhi Ram S/o Khazana. He has also produced copies of Aadhaar Card, Pariwar Register, and an affidavit in this regard alongwith Nakal Jamabandi for the year 1972-73 & 2019-20. Therefore, the General Public is hereby informed through this notice that if any person having any objection regarding this correction, may file their objections either personally or through an agent in writing before this court on or before **14/10/2026**. In case no objection is received by **14/10/2026**, it will be presumed that there is no objection to the aforesaid correction and same will be corrected under the relevant Act accordingly.

Given under my hand and seal of the court of this **26-08-2026.**

Assistant Collector 2nd Grade,
Shahpur, District Kangra (H.P.)

कार्यालय सहायक समाहर्ता (द्वितीय श्रेणी)
साच उप तहसील साच जिला चम्बा हि.प्र.

मिसल नं0 3/2026
तारीख मरजूआ 21-08-2026
अगली तारीख पेशी 21-09-2026

नैण देई(Nain Dei) पुत्री बैन्सु निवासी गांव कुठल डा. साच उप तहसील साच जिला चम्बा हि.प्र.।

---- प्रार्थी

बनाम

आम जनता ......प्रत्यार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 13 (3) जन्म एवम मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969.

उदघोषणा/ इश्तहार

जैसा कि इस अदालत में नैन देई पुत्री बैन्सु निवासी गांव कुठल डा. साच उप तहसील साच जिला चम्बा हि.प्र. का आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें आवेदिका की जन्म तिथि ग्राम पंचायत साच के रिकार्ड में दर्ज नहीं है मुताबिक रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी चम्बा की रिपोर्ट के अनुसार आवेदिका की जन्म तिथि 05-12-1958 है। अब आवेदिका अपनी जन्म तिथि ग्राम पंचायत साच उप तहसील साच के जन्म/मृत्यु रजिस्टर अभिलेख में इन्द्राज दर्ज करना चाहती है। प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों की सत्यता व असत्यता को जानने के लिए आम जनता को साधारणतया समन द्वारा तलब किया जाना असम्भव है।

आम जनता को इस ईश्तहार / उदघोषणा के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि आम जनता में से उक्त जन्म पंजीकरण प्रार्थना पत्र में कोई आपत्ति हो तो वे असालतन/ वकालतन इस अदालत में दिनांक 21-09-2026 को प्रातः 10.00 बजे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं अन्यथा यह समझा जायेगा कि किसी को आवेदिका की जन्म तिथि को ग्राम पंचायत साच के जन्म / मृत्यु रजिस्टर में दर्ज करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है। जिस कारण एक पक्षीय कार्रवाई अमल में लाई जायेगी ।

आज दिनांक 21-08-2026 को मेरे हस्ताक्षर व मय मोहर अदालत से जारी किया गया है।

सहायक समाहर्ता (द्वितीय श्रेणी)
साच, जिला चम्बा (हि.प्र.)

कार्यालय ग्राम पंचायत बोवर

Himachal Dastak Dt.27-08-26

10वीं का संयुक्त परीक्षा परिणाम 89.54 फीसदी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की जुलाई 2026 में आयोजित मैट्रिक मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा का संयुक्त उत्तीर्ण प्रतिशत अब 89.54 प्रतिशत तक रहा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा को मिलाकर कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने बताया कि जुलाई में आवश्यक सुधार, कंपार्टमेंट, वैकल्पिक सुधार एवं अतिरिक्त विषयों के लिए आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा में कुल 8,181 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 4,930 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिससे इस परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 60.27 प्रतिशत रहा। इसके अलावा 1,774 विद्यार्थी कंपार्टमेंट तथा 1316 विद्यार्थी आवश्यक पुनरावृत्ति की श्रेणी में रहे। वहीं जो परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं हैं, वे पुनर्मूल्यांकन अथवा पुनः जांच के लिए 9 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए प्रति विषय पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 तथा पुनः जांच शुल्क 800 रुपये निर्धारित किया गया है।

Combined Class 10 Pass Percentage in Himachal Reaches 89.54% Under 'Dual Board Exam' System

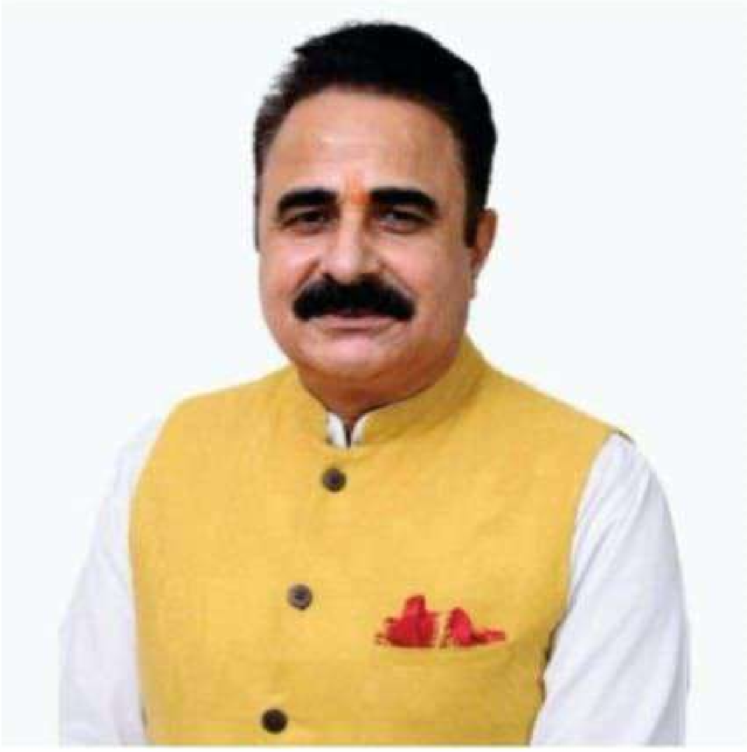

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA AUG 26: The 'Dual Board Exam' system for Class 10 (Matriculation), introduced by Dr. Rajesh Sharma—Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE)—in the interest of students, has proven to be highly successful. While announcing the results of the second Matriculation examination held in July 2026, Dr. Rajesh Sharma stated that this new system has saved thousands of students from losing a precious academic year. As a result of this system, implemented in March 2026 under his guidance, the combined pass percentage for the main and second examinations has reached 89.54%, marking a significant achievement for the Board. Upon releasing the results, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma remarked that the primary objective of this system is to provide a stress-free environment for students and offer them an opportunity to improve their results without losing a year. Sharing the combined result statistics, he noted that out of a total of 91,060 candidates across both the main and second examinations, 81,110 students passed. Dr. Sharma congratulated the successful students and wished them a bright future. Encouraging those who did not pass, he urged them not to lose heart but to identify their shortcomings and prepare better for future opportunities. Dr. Sharma informed that a total of 8,181 candidates participated in the second Matriculation examination held in July 2026, which covered categories such as necessary improvement, compartment, optional improvement, and additional subjects. Of these, 4,930 students passed, resulting in a pass percentage of 60.27% for this specific exam. As part of Dr. Sharma's efforts to make the Education Board more transparent, accessible, and student-centric, the result processing system has been digitized. Candidates can view their results online on the Board's official website, www.hpbose.org. In line with the promotion of modern technology and as per Dr. Sharma's instructions, copies of certificates have also been made available on DigiLocker so that students do not face any inconvenience regarding future admissions or other academic activities.

AUGUST 27, 2026 THURSDAY HIMACHAL PRADESH

The Sunny Times

HP BOARD'S DUAL MATRIC SYSTEM PROVES A MASTERSTROKE, DRIVES PASS RATE NEAR 90%

Sunny Mahajan | Dharamshala

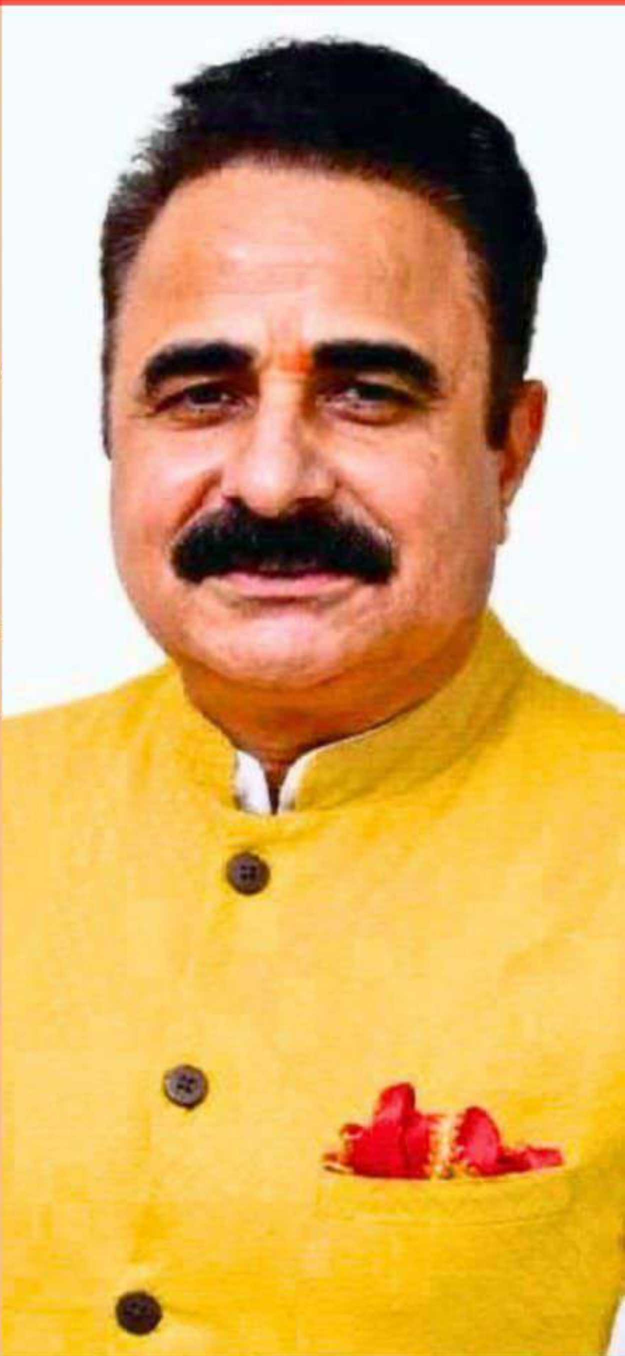

Himachal Pradesh's bold gamble on a dual-exam format for Class 10 has paid off big time, rescuing thousands of teenagers from losing an entire academic year. Spearheaded by Himachal Pradesh School Education Board (HPBOSE) Chairman Dr. Rajesh Sharma, the second-chance framework has propelled the state's overall matriculation pass rate to a formidable 89.54 percent.

The board's freshly declared July 2026 supplementary results proved to be a decisive lifeline. Out of 8,181 students who sat for improvement, compartment, and additional subject papers, 4,930 cleared the bar—delivering a sharp 60.27 percent success rate in the second round alone. When tallied with the March main exams, a total of 81,110 out of 91,060 candidates crossed the finish line this year, turning Dr. Sharma's reform into one of the board's most consequential academic turnarounds.

Dr. Sharma emphasized that the initiative was built to dismantle exam stress and eliminate the harsh penalty of repeating an entire year over a single setback. While congratulating successful candidates, he urged the remaining 1,774 compartment students and 1,316 essential repeaters to treat the outcome as a detour rather than a dead end.

To back the academic revamp with administrative speed, the board has digitized the entire aftermath. Scorecards are live on the official website, and verified digital marksheets have been pushed directly to DigiLocker, ensuring students can secure upcoming admissions without chasing down physical paperwork.

For candidates unsatisfied with their scores, the board has opened a tight verification window closing on September 9, 2026. Students can apply strictly online through their respective schools, paying ₹1,000 per subject for re-evaluation or ₹800 for re-checking, with offline submissions firmly ruled out.